09.02.2022

BA (Hons)

Dr Deepak Kumar Rajak
Assistant professor (Guest)
S.R.A.P College, Bara chakiya champaran

गुप्तकालीन समाज का मूल्यांकन:-

उत्तर:- गुप्तकालीन समाज एक जटिल संरचना पर आधारित था। ब्राह्मणवादी पुनरुत्थान तथा जनजातीय तत्वों के आत्मसातीकरण ने गुप्त समाज के स्वरूप को अत्यधिक जटिल बना दिया था।

(1) विभिन्न व्यवसायिक समूहों का जाति के रूप में ढलना तथा जातियों से उपजातियों का विकास।

(2) ब्राह्मणवादी पुनरुत्थान के कारण वर्ण-विभाजन पर बल दिया जाना।

(3) वैश्यों की सामाजिक दशा में तुलनात्मक रूप में गिरावट एवं शूद्रों की दशा में तुलनात्मक रूप में सुधार।

(4) यद्यपि समकालिन साहित्य में महिलाओं का आदर्श चित्र उपस्थित किया गया है किन्तु व्यवहारिक रूप में महिलाओं की सामाजिक दशा में गिरावट

(5) इस काल में दास व्यवस्था कमजोर पड़ने लगी। क्योंकि नारद ने दास मुक्ति का अनुष्ठान किया है

(6) इस काल में न केवल अछूतों की संख्या में विस्तार हुआ वरन् उनकी स्थिति पहले की तुलना में और भी हीन हो गयी

09.02.2022

B.A (Hons)

Dr. Deepak kumar Rajak
Assistant professor (Guest)
S.R.A.P College, Bara Chakiya.

* मुगलों का राजनीतिक विस्तार *

Ans:- बाबर ने 1526 में पानीपत की लड़ाई जीतने के बाद दिल्ली और आगरा पर कब्जा कर लिया। किन्तु उसे वास्तविक सफलता 1527 में खनवा की लड़ाई के बाद मिली। 1528 में उसने चन्देरी के शासक मेदनीराय को तथा अलवर के शासक हसन खान मेवाती को पराजित किया। 1529 में उसने अफगानों के विरुद्ध घाघरा की लड़ाई लड़ी। फिर 1530 में उसकी मृत्यु हो गयी। हुमायूँ अपनी ही समस्याओं में उलझा रहा उसे राजनीतिक विस्तार का अवसर नहीं मिला। 1532 में उसने दौरा की लड़ाई में पूर्वी अफगानों को पराजित किया। 1535 में उसने गुजरात के शासक बहादुरशाह के विरुद्ध अभियान किया। तथा गुजरात और मालवा को जीत लिया किन्तु 1537 तक ये क्षेत्र उनके हाथों से निकल गए। फिर 1539-40 में वह क्रमशः चौसा एवं कन्नौज की लड़ाई हार गया तथा भारत से बाहर पलायन कर गया। आगे ईरान की सहायता 1545 तक उसने कंधार पर कब्जा किया। 1553 में कामरान को पराजित कर उसने काबुल पर कब्जा किया। 1555 में सिकन्दर शाह को पराजित कर पंजाब पर कब्जा किया तथा 1555 तक उसने दिल्ली और आगरा पर भी कब्जा कर लिया। फिर Jan 1556 में उसकी मृत्यु हो गई।